www.xtrapapers.com

Cambridge IGCSE

Cambridge International Examinations
Cambridge International General Certificate of Secondary Education

CANDIDATE NAME

CENTRE NUMBER

CANDIDATE NUMBER

5246030484

HINDI AS A SECOND LANGUAGE **0549/13**

Paper 1 Reading and Writing **May/June 2015**

2 hours

Candidates answer on the Question Paper.

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, glue or correction fluid.
DO **NOT** WRITE IN ANY BARCODES.

Answer **all** questions.

The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

The syllabus is approved for use in England, Wales and Northern Ireland as a Cambridge International Level 1/Level 2 Certificate.

This document consists of **13** printed pages and **3** blank pages.

DC (CW/JF) 97921/3
© UCLES 2015

CAMBRIDGE International Examinations

www.xtrapapers.com

खंड 1

अभ्यास 1 प्रश्न 1-5

'सिक्का उछाला सोनू ने विंबलडन में' पर निम्नलिखित आलेख पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ग्यारह साल की सोनू के होठ और तालू जन्म से ही कटे थे, जिसका सन् 2007 में इलाज किया गया था। सोनू पर ही आधारित लघु चलचित्र 'सोनू की मुस्कराहट' को सन् 2009 में ऑस्कर पुरस्कार दिया गया। मिर्ज़ापुर के डबई गांव में रहने वाली सोनू अब क्लास-3 में पढ़ती है और उसने लंदन में आयोजित प्रतियोगिता में 'सोशली ट्रेन' नामक संस्था का प्रतिनिधित्व किया। ग़ैरसरकारी संस्था 'सोशली ट्रेन' कटे होठ और तालू से जूझ रहे बच्चों के उपचार में मदद करती है।

सोनू के पिता महेश कुमार ने कहा कि "सोनू लंदन की यात्रा के अपने अनुभव से काफ़ी उत्साहित है।" उन्होंने यह भी कहा कि "हम लोग ये जानकर बहुत खुश हैं कि सोनू को विदेश जाने का मौक़ा मिला। गांव के लोग भी बहुत खुश हैं।" ग़रीब परिवार में रहने वाली सोनू की यह दूसरी विदेश यात्रा थी। इससे पहले वह साल 2009 में ऑस्कर समारोह में भाग लेने अमेरिका गई थी। लंदन की यात्रा में सोनू के साथ उसके पिता और उसका इलाज करने वाले डॉक्टर अशोक कुमार सिंह भी लंदन गए थे।

सोनू के बारे में बात करते हुए डॉक्टर अशोक सिंह ने बताया, "सोनू उस घर में एक भाग्यशाली लड़की है। लेकिन एक समय ऐसा था कि उसे भाग्यहीन समझा जाता था, लोग उसे अपमान की दृष्टि से देखते थे, कोई उसके साथ खेलता नहीं था। मगर अब उसी गांव में वह किस्मत की धनी मानी जाती है और लोग उसकी तरफ़ उम्मीद के साथ देखते हैं।"

सोनू टेनिस के बारे में ज़्यादा नहीं जानती है, लेकिन उसको सिक्का उछालने का काम सौंपा गया था। इसके द्वारा ही तय किया जाता है कि कौन खेल शुरू करेगा। सोनू ने इसका अभ्यास जमकर किया। विंबलडन से पहले उसे ब्रिटेन के मैनचेस्टर शहर में स्थित एक जानी मानी चॉकलेट फैक्टरी भी ले जाया गया, जहां उसने 'फेस मी' नाम से बनी चॉकलेट का उद्घाटन किया।

भारत के कई इलाकों में कटे होठ और तालू की समस्या आम है। इसके उपचार का एकमात्र रास्ता सर्जरी ही है जिसमें 10,000 से 20,000 रुपयों तक का खर्च आता है। ऐसे में ग़रीब लोगों के पास इलाज के लिए धन जुटाने या फिर मदद का इंतज़ार करने का ही रास्ता बचता है।

www.xtrapapers.com

1 'सोशली ट्रेन' ने सोनू के शरीर के किन अंगों की चिकित्सा में सहायता की?

....[1]

2 सोनू के पिता क्यों प्रसन्न थे?

....[1]

3 सोनू के प्रति गांव के लोगों की सोच में क्या परिवर्तन आयें हैं?

(i) ....[1]

(ii) ....[1]

4 सोनू ने किस काम का कड़ा अभ्यास किया?

....[1]

5 क्यों सर्जरी का विकल्प हरेक के लिए उपलब्ध नहीं है?

....[1]

[अंक:6]

www.xtrapapers.com

अभ्यास 2 प्रश्न 6

आकाशवाणी के शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'संगीत सरिता' का प्रस्तुतकर्ता बनने का सुनहरा अवसर

आकाशवाणी भवन
संसद मार्ग, नई दिल्ली।

दूरभाष 00-91- 2347898745, 00-91-2358965789

स्कूली बच्चों के प्रस्तुकर्ता बनने के प्रशिक्षण हेतु आवेदन

आकाशवाणी भवन द्वारा गर्मी की छुट्टियों में स्कूली बच्चों में शास्त्रीय संगीत के प्रति रुचि जगाने के लिए अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'संगीत सरिता' का प्रस्तुतकर्ता बनने हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कार्यशाला में कार्यक्रम के वरिष्ठ प्रस्तुकर्ता और शास्त्रीय संगीत के विशेषज्ञ कार्यक्रम को प्रस्तुत करने के बारे में जानकारी देंगे। सभी सफल प्रतिभागियों को कार्यशाला के बाद एक दिन का कार्यक्रम प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया जाएगा। यह कार्यशाला पूर्णतः निःशुल्क होगी।

सलमा की उम्र 16 वर्ष है। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में उसकी विशेष दिलचस्पी है। पिछले 8 वर्षों से वह हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत सीख रही है। वह अब तक 4 प्रादेशिक शास्त्रीय संगीत कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुकी है। वह भविष्य में शास्त्रीय संगीत के प्रसार के लिए योजना चलाना चाहती है। क्योंकि वह सोमवार से शुक्रवार के दौरान सुबह 10 से 12 बजे तक ख़ुद भी संगीत सीखती है तो वह इस कार्यशाला के लिए सुबह नहीं जा सकती। सप्ताहांत के दौरान वह पूरे दिन संगीत की संस्था के लिए काम करती है। वह अब तक शास्त्रीय संगीत के कई कार्यक्रम प्रस्तुत कर चुकी है। वह नई दिल्ली के वैशाली अपार्टमेंट्स के फ्लैट न. 49 में रहती है। उसका टेलिफोन न. 00-91-2369251498 और ई-मेल है sk409@apna.org

www.xtrapapers.com

आप अपन का सलमा मानकर नाच ादए गए आवदन पत्र का भारए।

आकाशवाणी भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

दूरभाष 00-91- 2347898745, 00-91-2358965789

आवेदक का नाम....*सलमा* ......

(सही का निशान लगाएं) आयु - 14–15 ☐ 16–17 ☐ 18–19 ☐

ईमेल - ....

पूरा पता - ....

....

....

निम्नलिखित विकल्पों के माध्यम से बताइए कि आप कब उपलब्ध हैं। [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ सप्ताह के दौरान।

☐ सप्ताहांत में।

निम्नलिखित अवधियों में से उचित अवधि चुनें। [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक

☐ दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक

संगीत संबंधी कोई दो अनुभव बताइए

....

....

....

[अंक:7]

www.xtrapapers.com

अभ्यास 3 प्रश्न 7–10

'छोटी सी उमर में लग गया 'रोग'' शीर्षक से निम्नलिखित लेख पढ़िए।

दिल्ली के वसंत कुंज मॉल में स्थित 'फ़ज़ी हेयर' नामक पार्लर में मिताली अपनी मां गुंजन के साथ आई है। वह गुड़गांव के देवस्थली स्कूल में पढ़ती है। मिताली को देखकर लगता है कि वह पार्लर में आकर बिल्कुल ख़ुश नहीं है। लेकिन उसकी मां कहती हैं, "मिताली जिस स्कूल में पढ़ती है वहां इसकी उम्र के सभी बच्चे अपने चेहरे को लेकर काफ़ी सजग रहते हैं, ऐसे में इसका इस तरह से लापरवाह रहना मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है।" यहीं पर अपने ढाई साल के बेटे अंकित को 'स्पाइकी' शैली के बाल बनवाने आई उसकी मां करिश्मा कहती है, "हमें आज जन्मदिन मनाने जाना है जहां और भी बच्चे होंगे। मैं चाहती हूं मेरा बेटा वहां सबसे अलग दिखे, इसलिए इसे यहां लेकर आई हूं।"

यहां आने वाले बच्चों की उम्र छह महीने से लेकर 10–12 साल तक की होती है। 'फ़ज़ी हेयर' के मालिक रंजन के अनुसार, "हम लोग यहां बच्चों के बाल काटने, बालों में जोड़ लगाने, टैटू और नाखून, बनाने आदि सेवाएं देते हैं।" इसके अलावा इन पार्लरों में बच्चों के जन्मदिन पर नन्हें फ़रिश्ते, रानी और राजकुमार जैसे पात्रों पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। ऐसे पात्रों में समुद्री दस्यु और प्रसिद्ध रॉक गायकों के प्रसंग भी शामिल होते हैं।

'फ़ज़ी हेयर' की मालकिन सुनीता के अनुसार, "आजकल के बच्चे अपनी धुन के पक्के होते हैं और हम उन पर अपनी मर्ज़ी थोप नहीं सकते।" मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, माता-पिता का पूरा ध्यान उनको सुंदर दिखाने और उनके लिए अच्छा रिश्ता ढूंढने में लगा रहता है, जिससे कम उम्र की बच्चियों में औरतों जैसी भावना पैदा होती है। यह एक ख़तरनाक स्थिति है और इसके लिए अभिभावक और समाज दोनों दोषी हैं। इसमें बच्चों के अंदर खुद की नुमाइश करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। उनको लगता है कि अच्छा दिखने भर से वे हर क्षेत्र में अव्वल आ सकते हैं। साथ ही अभिभावक अपने काम-काजी और व्यस्त जीवन की दुहाई देकर इस तरह की सेवाओं को ख़रीदने से परहेज़ नहीं करते।

अनेक प्रेक्षक ये मानते हैं कि इसका सबसे बड़ा नुक़सान यह है कि बच्चे अपना बचपन खोते जा रहे हैं। उनके अनुसार, "इसमें एक बड़ी भूमिका टेलिविज़न पर दिखाए जाने वाले रियलिटी शो भी हैं जिनमें इन बच्चियों को बड़ी औरतों की तरह पेश होना सिखाया जाता है और ये लड़कियां खुद को एक नुमाइश की चीज़ के रूप में महसूस करने लगती है।" इन रियालिटी शो के प्रभाव से लड़कों के बीच भी मुक़ाबले की भावना बढ़ती जा रही है। लड़के खाली वक्त में खेल के मैदान के बजाय वीडियो और ब्यूटी पार्लरों में जाने लगे हैं, यह हमारे समाज के बदलते रूप को दर्शाता है।

www.xtrapapers.com

अभ्यास 3 प्रश्न 7–10

आपके स्कूल में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का विषय है कि क्या सचमुच कम उम्र के बच्चे फैशन की तरफ आकर्षित हो रहे हैं? 'छोटी सी उम्र में लग गया रोग' नामक लेख में से नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक के अंतर्गत नोट लिखें जिसपर आपकी प्रस्तुति आधारित होगी।

7 गुंजन और करिश्मा क्यों बच्चों को पार्लर लेकर गईं?

- .... [1]
- .... [1]

8 पार्लर में बच्चों को आकर्षित करने के लिए क्या क्या आयोजन करते हैं?

- .... [1]

9 पार्लर में जाने से बच्चों पर क्या नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं?

- .... [1]
- .... [1]

10 रियलिटी शो में लड़के लड़कियों के व्यवहार से संबंधित दो नकारात्मक पहलू क्या हैं?

- .... [1]
- .... [1]

[अंक:7]

www.xtrapapers.com

अभ्यास 4 प्रश्न - 11

निम्नलिखित आलेख का सारांश लिखिए और बताइए कि शैक्षिक संस्थाओं में मोबाइल के प्रयोग पर रोक लगाना उचित है, आलेख की मुख्य बातों को अपने शब्दों में लिखिए।

आपका सारांश 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

संगत बिन्दुओं के समावेश के लिए 6 अंक और भाषिक अभिव्यक्ति के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।

पाठांश से वाक्य उतारना उचित नहीं है।

महाराष्ट्र सरकार की वह पहल सार्थक कही जा सकती है जिसमें कॉलेज परिसरों में मोबाइल फोनों के नेटवर्क जाम करने का प्रस्ताव है। वास्तव में कॉलेज परिसरों में छात्रों की निजता का हनन हो रहा है। अश्लील एवं दादागिरि भरे संदेशों का आदान-प्रदान किया जा रहा है। इन अपराधों की रोकथाम के लिए यह कदम उठाने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार ने कॉलेज परिसरों में मोबाइल फोनों का नेटवर्क जाम करने के लिए कॉलेज प्रधानाचार्यों की राय मांगी है। यह सुझाव स्थानीय युवा नेताओं ने सरकार के समक्ष रखा था। उनका मानना था कि कॉलेज परिसर में मोबाइल फोन का उपयोग घातक साबित हो रहा है। खासकर कैमरे वाले मोबाइलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी जिससे कॉलेज की लड़कियों की तस्वीरें खींचकर उनका इंटरनेट के जरिये प्रसारण किया जाता है।

वास्तव में आज स्मार्ट फोनों की उन्नत तकनीक का उपयोग साइबर अपराधों के लिए धड़ल्ले से किया जा रहा है। यदि यह पहल सार्थक साबित होती है तो देश के अन्य राज्यों में भी ऐसे ही कदम उठाए जा सकते हैं। समस्या यह भी है कि कॉलेज प्रशासन से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। यदि कॉलेज परिसरों में मोबाइल नेटवर्क जाम किया जाता है तो शिक्षकों के मोबाइल भी काम नहीं करेंगे।

महाराष्ट्र के कुछ कॉलेज प्रबंधकों की दलील है कि हम वैसे भी पढ़ाई के दौरान मोबाइल बंद रखने के आदेश देते हैं। उनकी दलील है कि कॉलेज की अंशकालीन की कक्षाओं में वे ही छात्र पढ़ने आते हैं जो पढ़ाई के दौरान नौकरी भी करते हैं। यदि वे सुबह की कक्षाओं में पढ़ने आते हैं तो दिनभर कहीं नौकरी करते हैं। इसलिए उनके काम से संबंधित फोन कॉलेज के दौरान भी आते रहते हैं। लेकिन इन दलीलों के आधार पर इस महत्वपूर्ण पहल को नहीं रोका जा सकता।

वास्तव में नई पीढ़ी का मोबाइल फोन का जुनून और इनका दुरुपयोग एक जटिल समस्या बनती जा रही है। इंटरनेट के ज़रिए युवाओं में अश्लील साइटों की तरफ जो आत्मघाती रुझान बढ़ता जा रहा है, वह यौन-अपराधों का सबब बनता जा रहा है। कुल मिलाकर जाने-अनजाने में वे साइबर अपराधों के वाहक बन रहे हैं। ऐसे समय में पढ़ाई के लिए जिस एकाग्रता की ज़रूरत है, उसकी उम्मीद बेमानी हो जाती है। मोबाइल फोनों को यदि कॉलेज परिसरों में नियंत्रित किया जाता है तो पढ़ाई का बेहतर वातावरण बनाने में मदद मिलेगी। ऐसे में महाराष्ट्र सरकार जैसी पहल पूरे देश में की जानी चाहिए ताकि युवा पीढ़ी के भटकाव को रोका जा सके।

© UCLES 2015

www.xtrapapers.com

‘साइबर अपराध रोकने की पहल’

[अंक:10]

© UCLES 2015

[कृपया पृष्ठ उलटें]

www.xtrapapers.com

खंड 2

अभ्यास 5 प्रश्न 12–18

निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ये भी पटना है, ब्रिटेन का पटना

ब्रिटेन और भारत के नक्शे पर बसे एक ही नाम के दो स्थान हैं जिनका नाम पटना है। इन दोनों के बीच एक रिश्ता है। हालांकि हो सकता है, ब्रिटेन के पटना को देखने के लिए नक्शे को और बारीक़ी से देखना पड़े, क्योंकि ब्रिटेन का पटना बहुत छोटा है, यह एक गाँव है- पटना विलेज। यह पटना ब्रिटेन के प्रांत स्कॉटलैंड में, वहाँ के सबसे बड़े शहर ग्लास्गो के पास, लंदन से साढ़े छह सौ किलोमीटर दूर है। यह बिहार की राजधानी पटना से 10 हज़ार किलोमीटर दूर है। छोटा सा गाँव है जिसकी आबादी दो-ढाई हज़ार से लेकर तीन-साढ़े तीन हज़ार के आस-पास बताई जाती है।

गाँव में एक नदी है- दून नदी। गाँव नदी के एक तट पर नहीं, दोनों तटों पर बसा है, नदी गाँव से होकर जाती है। दो पुल हैं, नया और पुराना। पुराना 1805 में बना, नया 1960 में। दून नदी गाँव की एक बड़ी पहचान है। स्कॉटलैंड के सबसे बड़े कवि रॉबर्ट बर्न्स ने इसी नदी को केंद्र में रखकर 220 साल पहले एक लोकगीत लिखा था जो आज भी लोकप्रिय है। पटना गाँव का नाम पटना रखा जाना एक संयोग नहीं, इसके पीछे एक इतिहास है। इसकी शुरूआत होती है 1745 से जब यहाँ के एक व्यवसायी विलियम फ़ुलर्टन ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के ज़माने में बिहार गए जो तब बंगाल में हुआ करता था। वे वहाँ से चावल ब्रिटेन भेजा करते थे। पटना जो बाद में बिहार प्रदेश की राजधानी बना वह 18वीं सदी से ही एक प्रमुख व्यापरिक और शिक्षा का केन्द्र रहा।

बाद में उनके भाई जॉन फ़ुलर्टन भी वहाँ गए जो ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में मेजर जनरल थे और पटना में तैनात थे। वहीं 1774 में उनके बेटे का जन्म हुआ। उसका भी नाम था– विलियम फ़ुलर्टन। जॉन फ़ुलर्टन ने भारत में अंतिम साँसें लीं। फ़ुलर्टन परिवार स्कॉटलैंड लौट आया जो तब तक संपन्न हो गया था, एक ज़मींदार परिवार बन चुका था। विलियम ने खदानों के कारोबार में हाथ डाला। इस इलाक़े में कोयला और चूना प्रचुर मात्रा में मौजूद था।

इसी विलियम ने 1802 में एक गाँव बसाया, मुख्य रूप से कोयला खदान में काम करने वाले लोगों को ध्यान में रखकर, और इस गाँव का नाम उसने अपनी जन्मस्थली के नाम पर रखा– पटना। ग्लास्गो में पुलिस सुपरिंटेंडेंट रह चुके डोनल्ड रीड स्थानीय इतिहास के जानकार हैं। उन्होंने पटना के बारे में एक किताब में एक अध्याय लिखा है। डोनल्ड कहते हैं, "शायद बिहार के लोगों को स्कॉटलैंड के पटना की उतनी जानकारी न हो, पर यहाँ अधिकतर लोगों को इस पटना और बिहार के उस पटना के संबंध के बारे में पता है।"

www.xtrapapers.com

कृपया प्रश्न 12 से 15 तक के उत्तर सही या ग़लत के कोष्ठक में ✓ का निशान लगाकर दीजिए। यदि वाक्य ग़लत है तो उसे पाठांश के आधार पर ठीक कीजिए।

	सही	ग़लत
उदाहरण – ब्रिटेन और भारत के पटना के बीच कोई रिश्ता नहीं है।	☐	✓
औचित्य – ब्रिटेन और भारत के पटना के बीच रिश्ता है।		

12 पटना गांव स्कॉटलैंड के सबसे बड़े गांव ग्लास्गो के नज़दीक है। ☐ ☐

....

13 दून नदी के दोनों तरफ पटना गांव बसा है। ☐ ☐

....

14 220 वर्ष पहले कवि राबर्ट बर्न्स के गीत से लोग अनजान हैं। ☐ ☐

....

15 1745 में विलियम फुलर्टन ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी बनकर पटना गए। ☐ ☐

....

अब निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

16 स्कॉटलैंड लौटकर फुलर्टन परिवार ने किन पदार्थों का धंधा किया?

....

17 1802 में, किन लोगों के लिए नया गांव बसाया गया?

....

18 कहां के लोगों को दोनों पटना के बारे में जानकारी है?

....

[अंक:10]

© UCLES 2015

www.xtrapapers.com

अभ्यास 6 प्रश्न 19

क्या स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसता है?

आपके शहर में एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। निबंध का विषय है क्या स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसता है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपना निबंध ऊपर दिये विषय पर लिखें। आपका निबंध विषय से संबंधित जानकारी पर केन्द्रित होना चाहिए।

आपका निबंध 150 से 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

लिखित निबंध पर अंर्तवस्तु के लिए 10 अंक तक और सटीक भाषा के लिए भी 10 अंक तक दिए जाएंगे।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

© UCLES 2015

www.xtrapapers.com

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

[अंक:20]

© UCLES 2015

www.xtrapapers.com

BLANK PAGE

www.xtrapapers.com

BLANK PAGE

© UCLES 2015

www.xtrapapers.com

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge International Examinations Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cie.org.uk after the live examination series.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.